AnandNiketan
Maninagar Campus

कक्षा : IX	**विषय : हिंदी**	**Syllabus: गद्य - २,३,४ पद्य- १,२,३,४ संचयन- १,२ व्याकरण- वर्ण-विच्छेद, अनुस्वार,अनुनासिक, नुक्ता , उपसर्ग-प्रत्यय**
दिनांक :	**Empower- I Assignment**	

खंड - 'क'

१. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (९)

सरलता मानव का स्वाभाविक गुण है। आडम्बर जीवन को जटिल बनाता है और हृदय में विकार उत्पन्न करके उसे कलुषित बनाता है। सरल, सहज और सादा जीवन हमें प्रकृति से जोड़ता है। अहंकार, आडम्बर आदि तुच्छ विचारों के कुप्रभाव से मनुष्य अब कृत्रिम बन रहा है। संसार में किसी भी देश में महान व्यक्तियों का अभाव नहीं रहा है । ऐसे व्यक्ति संसार में बहुत कम है, जो जन्म से ही विख्यात हुए हों । अधिकांशत: लोगों को यह ख्याति उनके चरित्रबल और उद्‌गम से ही प्राप्त होती है। संसार में ऐसे मनुष्य कम नहीं है, जिनका साधारण परिवार में जन्म हुआ किन्तु वे अपनी बुद्‌धि और लगन के कारण बहुत ऊँचे उठ गए हों । मनुष्य में विनय , उदारता , कष्ट- सहिष्णुता, साहस आदि चारित्रिक गुणों का विकास अत्यावश्यक है। ये गुण व्यक्ति के जीवन को अहंकारहीन या सादा बनाते हैं । सादा जीवन या सादगी का अर्थ है - रहन-सहन , वेशभूषा और आचार-विचारों का एक निर्दिष्ट स्तर। मनुष्य को सादा जीवन जीना चाहिए और अपने विचारों को उच्च बनाए रखना चाहिए।

प्रश्न- १. प्रस्तुत गद्यांश में मनुष्य किस प्रकार कृत्रिम बन गया है ?

२. अधिकांशत: लोग किस प्रकार प्रख्यात होते हैं ?

३. 'कुप्रभाव' और 'अत्यावश्यक' में उपसर्ग बताइए ।

४. चारित्रिक गुण व्यक्ति के जीवन को कैसा बनाते हैं ?

५. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए **।**

२. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

दिखाई देगी जब जन्नत, बुज़ुर्गों की दुआओं में ।
हवाएँ लोरियाँ बनकर, बहेंगीं इन फिज़ाओं में ॥
बड़ों की बात पंचामृत, औ' इनका मन है गंगाजल,
बड़ी किस्मत से मिलता है, इनके प्रेम का आँचल ।
इनको पास में रखिए, रहेंगे आप छाँवों में ।
हवाएँ लोरियाँ बनकर, बहेंगीं इन फिज़ाओं में ॥

चलो माता-पिता को तुलसी - पीपल की तरह मानें,

उन्हीं को देव-गृह और उन्हीं को देवता मानें |

बनेगा घर तभी पावन, महक होगी दिशाओं में|

हवाएँ लोरियाँ बनकर, बहेंगीं इन फिज़ाओं में ||

बस ऐसे ही घरों में, जन्नतें डेरा जमाएँगी

वो सरगम छेड़कर खुशियों के गीत गाएँगी

बड़े हैं बरगद जैसे, बसी जन्नत उनके पाँवों में,

हवाएँ लोरियाँ बनकर, बहेंगीं इन फिज़ाओं में ||

प्रश्न (१) काव्यांश में बड़ों का मन और उनकी बातों को किनके समान बताया है ? क्यों ?

(२) बड़ों को बरगद के पेड़ के समान क्यों कहा है ?

(३) घर मंदिर की तरह पावन कब बनेगा ?

खंड - ख

व्यावहारिक व्याकरण

प्रश्न ३. (क) निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए |

द्वारिका , कृपालु , परीक्षा , हिंडोला , धार्मिक, चाँदनी , प्रतिक्रिया , धैर्य

(ख) उचित स्थान पर अनुस्वार का प्रयोग करते हुए मानक रूप लिखिए |

डण्ठल , सङ्कट , सौन्दर्य , सञ्चार , सम्बन्ध , रङ्गीन

(ग) उपयुक्त स्थान पर अनुनासिक का प्रयोग कीजिए |

लहगा , बालिकाए , गाव, गूथना , आचल , जाएगे , सभाल , अगूठी

(घ) उपयुक्त स्थान पर नुक्ते का प्रयोग कीजिए |

मेहमाननवाजी , सब्जियाँ , वजीर, हफ्ते , इजराइल , अशराफ , बर्फी , फर्क

प्रश्न ४.निम्नलिखित शब्दों में मूल शब्दों व उपसर्गों / प्रत्ययों को अलग-अलग करकेलिखिए

बुद्धिमत्ता , दक्षिणी , प्रकृति , निर्माण, अलमस्त,स्थगित, स्वाभाविक, ऐतिहासिक

उपजाऊ , असत्यभाषी, उपसेनापति, पौराणिक, उनचालीस , सुभाषिनी , उद्घाटन

खंड - ग

५. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

(i) बुढ़िया को पत्थर दिल क्यों कहा गया ? और वह क्यों रो रही थी ?

(ii) तेनजिंग ने लेखिका की तारीफ़ में क्या कहा ?

(iii) तीसरे दिन सुबह अतिथि ने क्या कहा ?

६. सम्मिलित अभियान में सहयोग और सहायता की भावना का परिचय बचेंद्री के किस कार्य

से मिलता है ?

७. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

(i) " प्रभुजी तुम चन्दन हम पानी, जाकी अंग-अंग बास समानी" का भाव स्पष्ट कीजिए |

(ii) सागर की अपेक्षा पंक जल को अधिक महत्त्वपूर्ण क्यों बताया है ?

(iii) आदमी की प्रवृतियों का उल्लेख कीजिए |

८. कविता ' एक फूल की चाह' में समाज की किस समस्या की ओर संकेत किया गया है ? स्पष्ट कीजिए |

९. गिल्लू किन अर्थों में परिचारिका की भूमिका निभा रहा था ?

१०. साँप का ध्यान बाँटने के लिए लेखक ने क्या-क्या युक्तियाँ पढ़ाई ?

खंड - घ

(रचना - लेखन)

११. निम्नलिखित विषय पर अनुच्छेद लिखिए |

(१) परिश्रम का महत्त्व : परिश्रम की आवश्यकता , परिश्रम - सफलता की कुंजी , परिश्रम कामधेनु के समान |

(२) बेरोज़गारी : देश की सबसे बड़ी समस्या , कारण , उपाय |

१२. समाचार पत्र के संपादक को मोहल्ले में चल रही जुआखोरी की जानकारी देते हुए पत्र लिखिए |

१३. धूम्रपान के विषय में पिता और पुत्र के बीच के संवाद को लिखिए |

१४. 'लिटिल कृष्णा' नामक एक कार्टून शो का विज्ञापन तैयार कीजिए |

१५. दिए गए चित्र को ध्यान से देखकर मन में उभरे विचारों को अपनी भाषा में ३० से ५० शब्दों में प्रस्तुत कीजिए | विचारों का वर्णन स्पष्ट रूप से चित्र से ही संबद्ध होना चाहिए |